बीएचईएल ने देश की पहली लिग्नाइट आधारित 500 मेगावाट की थर्मल इकाई कमीशन की

नई दिल्ली, 24 दिसंबर : भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने नेवेली, तमिलनाडु में 2x500 मेगावाट की नई थर्मल पावर परियोजना की पहली लिग्नाइट आधारित 500 मेगावाट थर्मल इकाई को सफलतापूर्वक कमीशन किया।

उल्लेखनीय रूप से यह देश का पहला लिग्नाइट-आधारित 500 मेगावाट का पावर प्लांट है। इसके अतिरिक्त, यह देश में अब तक कमीशन की गई सबसे अधिक रेटिंग वाली पल्वराइज्ड- लिग्नाइट से चलने वाली थर्मल यूनिट है। यह संयंत्र वंस-थ्रू तथा टॉवर टाइप बॉयलर डिजाइन पर आधारित है, जिसे देश में पहली बार लिग्नाइट आधारित थर्मल यूनिट के लिए अपनाया गया है।

तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में स्थित, यह परियोजना एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) के स्वामित्व में है। परियोजना की दूसरी इकाई भी कमीशन के अंतिम चरण में है।

नेवेली में 500 मेगावाट लिग्नाइट आधारित थर्मल प्लांट की दो इकाइयों के लिए बॉयलर, टर्बाइन एंड जेनरेटर (बीटीजी) पैकेज का आदेश एनएलसीआईएल द्वारा बीएचईएल को दिया गया है। बीएचईएल के कार्य-क्षेत्र में बॉयलर, टरबाइन और जेनरेटर (बीटीजी) और संबद्ध सिविल कार्यों के साथ-साथ डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग, अत्याधुनिक नियंत्रण और इंस्ट्रूमेंटेशन (सी एंड आई) और इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स (ईएसपी) का कार्य भी है।

परियोजना के लिए प्रमुख उपकरण बीएचईएल की हरिद्वार, तिरुचि, हैदराबाद, रानीपेट, भोपाल और बेंगलुरु स्थित इकाईयों में निर्मित किए गए हैं, जबकि संयंत्र का निर्माण कार्य कंपनी के पावर सेक्टर - दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई द्वारा किया गया था।

बीएचईएल ने पूर्व में स्वदेशीकरण की उच्च डिग्री के साथ 600 मेगावाट, 660 मेगावाट, 700 मेगावाट और 800 मेगावाट के थर्मल सेटों की उच्चतर रेटेड इकाइयों की सफल आपूर्ति के माध्यम से अपना इंजीनियरिंग कौशल स्थापित किया है। बीएचईएल की विश्व स्तर पर 1,85,000 मेगावाट से अधिक विद्युत संयंत्र उपकरणों के एक स्थापित आधार की ताकत, भारतीय कोयले और स्थितियों के विशाल अनुभव के साथ मिलकर इसे देश में उपयोगिताओं की आदर्श पसंद बनाती है।